

चारधाम और सम्बंधित स्थल

चारधाम चार हिंदू तीर्थ स्थल हैं जो बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी और रामेश्वरम में स्थित हैं। इनकी स्थापना श्री आदि शंकराचार्य ने 1200 साल पहले की थी।

छोटा चार धाम **उत्तराखंड में** स्थित है।

रामेश्वरम

- दक्षिण में स्थित रामेश्वरम भारत के **तमिलनाडु में** है। यह भारतीय प्रायद्वीप के बिल्कुल सिरे पर मन्नार की खाड़ी में स्थित है।
- ऐसा मानना है कि यह वह स्थान है जहां भगवान राम ने अपने भाई लक्ष्मण और भक्त हनुमान के साथ अपनी पत्नी सीता को बचाने के लिए श्रीलंका पहुंचने के लिए एक पुल (राम सेतु) का निर्माण किया था, जिसे पहले श्रीलंका के शासक रावण ने अपहरण कर लिया था।
- भगवान शिव को समर्पित रामनाथ स्वामी मंदिर रामेश्वरम के एक प्रमुख क्षेत्र में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर को श्री राम चंद्र द्वारा संरक्षित किया गया था।
- यहां के पीठासीन देवता लिंग के रूप में हैं श्री रामनाथ स्वामी नाम के साथ, यह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

पुरी

- पूर्व में स्थित पुरी, भारत के **ओडिशा में** स्थित है जो बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है।
- यहाँ के मुख्य देवता श्री कृष्ण हैं, जिन्हें भगवान जगन्नाथ के रूप में माना जाता है। यह भारत का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान कृष्ण की बहन देवी सुभद्रा की पूजा उनके भाइयों, भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र के साथ की जाती है। यहां का मुख्य मंदिर लगभग 1000 साल पुराना है और राजा चोड़ा गंगा देव और राजा तृतीया अनंग भीम देव द्वारा निर्मित है।
- पुरी गोवर्धन मठ का स्थल है, जो आदि शंकराचार्य द्वारा परिवर्तित चार प्रमुख संस्थानों या मठों में से एक है।
- ओडिशा में इस धाम में एक विशेष दिन मनाते हैं जिसे रथ यात्रा के नाम से जाना जाता है।

बद्रीनाथ

- बद्रीनाथ **उत्तराखंड में** स्थित है।
- यह अलकनंदा नदी के तट पर गढ़वाल पहाड़ियों में है। यह शहर नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं के बीच और नीलकंठ चोटी (6,560 मीटर) की छाया में स्थित है।

- बद्रीनाथजी के 3 किमी के भीतर मन, व्यास गुफा, मातामूर्ति, चरणपादुका, भीमकुंड और सरस्वती नदी के मुख जैसे अन्य दिलचस्प दर्शनीय स्थल हैं।
- जोशीमठ अलकनंदा और धौलीगंगा नदियों के संगम के ऊपर ढलान पर स्थित है। आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों में से जोशीमठ चारधाम का शीतकालीन आसन है
- जबकि तीन अन्य धाम साल भर खुले रहते हैं, बद्रीनाथ धाम हर साल अप्रैल से अक्टूबर तक तीर्थयात्रियों के दर्शन के लिए खुला रहता है।

द्वारका

- पश्चिम में स्थित द्वारका, **गुजरात में** है।
- यह संगम पर स्थित है जहां गोमती नदी अरब सागर में विलीन हो जाती है ।
- द्वारका का पौराणिक शहर भगवान कृष्ण का निवास स्थान था ।

इन चार धामों और उनके स्थलों को इस ट्रिक की मदद से याद रखा जा सकता है:



चार धाम और सम्बंधित स्थान

(याद रखने का तरीका)

रात में परी उड़ी, बद्री उत्तरी द्वार से गुजरा

रा	→ रामेश्वरम
त	→ तमिलनाडु
परी	→ पुरी
उड़ी	→ ओडिशा
बद्री	→ बद्रीनाथ
उत्तरी	→ उत्तराखंड
द्वार	→ द्वारका
गुजरा	→ गुजरात

website: GKTricksIndia.com

say "hi" to  9294 88 1331




 /GKTricksIndia

छोटा चार धाम

- छोटा चार धाम **उत्तराखंड में** स्थित है।
 - छोटा चार धाम मंदिर बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद कर दिया जाता है और गर्मियों के आगमन के साथ तीर्थयात्रियों के लिए फिर से खोल दिया जाता है।
1. **यमुनोत्री** :- छोटा चारधाम का पहला मंदिर, यह मंदिर यमुना नदी (हिन्दू देवी, सूर्य देव की पुत्री) को समर्पित है। यह उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है।
 2. **गंगोत्री** :- यह मंदिर देवी गंगा (भारत की सबसे पवित्र नदी) को समर्पित है। यह छोटा चारधाम सर्किट का दूसरा मंदिर है।
 3. **केदारनाथ** :- यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। शिव के 12 मुख्य ज्योतिर्लिंग हैं और केदारनाथ प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में से एक है। छोटा चारधाम का तीसरा तीर्थ।
 4. **बद्रीनाथ** :- यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। यह भारत में मुख्य चारधाम सर्किट का भी हिस्सा है और छोटा चारधाम यात्रा का अगला मंदिर है।

23 दिसंबर 2016 को, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने तीर्थयात्रा को आसान बनाने के लिए गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के बीच कनेक्टिविटी में सुधार के लिए चारधाम महामार्ग विकास परियोजना ("चारधाम राजमार्ग विकास परियोजना") का उद्घाटन किया।

ये स्टडी मटीरीयल लगातार अपडेट किया जाता हैं।
इसके लेटेस्ट वर्ज़न के लिए कृपया इस URL पर क्लिक करें:

<https://gktricksindia.com/art-culture/chardham>

या QR Code स्कैन करें:



हमसे जुड़िये

<https://GKTricksIndia.com/Hi>

(click here)